



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 187 ]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 22, 2000/श्रावण 31, 1922

No. 187]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 22, 2000/SRAVANA 31, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 2000

अंतिम जांच परिणाम

**विषय :** कोरिया गणराज्य से ईथीलीन प्रोपीलीन रबड़ (ई पी एम) और ईथीलीन प्रोपीलीन डांइन रबड़ (ई पी डी एम) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 28/1/99-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा-संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 23.3.2000 की अधिसूचना द्वारा कोरिया गणराज्य (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश भी कहा गया है) से ईथीलीन प्रोपीलीन रबड़ (ई पी एम) और ईथीलीन प्रोपीलीन डांइन रबड़ (ई पी डी एम) (जिन्हें इसके बाद संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था;

- (ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति कोरिया के नई दिल्ली स्थित दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने अपने विचार उपर्युक्त (i) और (ii) में यथा निर्धारित समय सीमा के भीतर भेजने की सलाह दी जाए।
- (iv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए 16.5.2000 को एक अवसर प्रदान किया। विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी;
- (vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है। तथापि, हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों और प्रकटीकरण के बाद उठाए गए तर्कों पर इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;
- (vii) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों के आंकड़ों का व्यवहार्य सीमा तक सत्यापन किया गया था। अधिकारियों के एक दल ने निर्यातकों अर्थात् मै. कुम्हो पोलिकैम कं. लि. (के पी सी), कोरिया गणराज्य के परिसरों में आंकड़ों का सत्यापन किया था।
- (viii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए खुलासा दिनांक 18.7.2000 को किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।
- (ix) इस मामले में मानी गई जांच की अवधि (पी ओ आई) 1.4.98 से 30.6.99 तक की है।

**ख. याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार और प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच**

2. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर प्रकटन विवरण-पत्र में चर्चा की गई है। जिन विचारों पर प्रकटन विवरण-पत्र में पहले विचार नहीं किया गया है, जो मुद्र/प्रकटन विवरण के जबाब में उठाए गए हैं, उन पर नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार किया गया, जहां तक वे नियमों के अनुसार संगत हैं और जहां तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते

हैं। हितबद्ध पार्टीयों द्वारा दिए गए तर्कों की जांच की गई है और इस पर विचार किया गया है, और जहां कही उचित समझा गया है, नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उन पर विचार किया गया है।

#### ग) विचाराधीन उत्पाद

यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद को इन जांचों का संचालन करने वाले नियमों के तहत अभिज्ञात नहीं किया गया है।

यह भी तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता ने केवल बेल रूप में शिकायत दायर की है जबकि मैसर्स के पी सी ने सभी रूपों के ई पी डी एम/ई पी एन का उत्पादन किया है।

प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों पैरा-ग (1) के तहत दिए गए निष्कर्षों का स्मरण करते हुए यह बात नोट करते हैं कि दिनांक 27.8.99 की प्रारंभिक अधिसूचना में क्रमशः सीमा शुल्क शीर्ष 4002.70 और 4002.99 के तहत वर्गीकरण ई पी डी एम तथा ई पी एम जिसमें इन शीर्षों के तहत सभी रूपों को कवर किया जाता है, के लिए जांच शुरू की थी। प्राधिकारी इस बात को पुनः दोहराते हैं कि इस जांच में शीर्ष 4002.70 और 4002.99 के तहत वर्गीकरण ई पी डी एम/ई पी एम के सभी रूप शामिल हैं।

प्राधिकारी का मानना है कि मौजूदा जांचों में विचाराधीन उत्पाद सभी रूपसें/ग्रडों/शुद्धता वाली ई पी एन और ई पी डी एम रबड़ है। ई पी डी एम रबड़ सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमा शुल्क उप-शीर्ष 400.270 के तहत वर्गीकृत है। ई पी डी एन को सुमेलित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वर्गीकरण प्रणाली के तहत और आगे उप शीर्ष सं0 4002.70 के तहत वर्गीकृत किया गया है और यह आई टी सी उप शीर्ष सं0 4002.70.01 के तहत वर्गीकृत पोलीबुटाडिन से भिन्न है ई पी एम को 4002.99 के तहत वर्गीकृत किया गया है।

प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा ग (1) में विचाराधीन उत्पाद के बारे में दिए गए विस्तृत विवरण को दोहराते हैं।

#### (घ) याचिकाकर्ता और घरेलू उद्योग की हैसियत

यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 हरदिलिया यूनिमर्स लिमि. (एच यू एल) द्वारा दायर की गई है। हैसियत संबंधी कोई विवाद नहीं है क्योंकि भारत में ई पी डी एम रबड़ का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। इसलिए, याचिकाकर्ता मौजूदा याचिका दायर करने के लिए शर्तों को पूरा करता है और वह उपरोक्त नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

#### (ङ.) समान वस्तु

यह पता लगाने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ई पी डी एम रबड़ कोरिया गणराज्य से निर्यात किए गए ई पी डी एम रबड़ के समान वस्तु है, उसके भौतिक गुण (आकार, रासायनिक संरचना, कच्च माल), विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, मूल्य-निर्धारण, वितरण एवं विपणन और माल के टैरिफ वर्गीकरण जैसे गुणों पर विचार किया गया है।

अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि ई पी एम और ई पी डी एम ग्रेड न तो समान वस्तुएं हैं और न ही स्थानापन्न या विनिमेय हैं। यह भी कहा गया है कि इन ग्रेडों के भौतिक स्वरूप अलग-अलग और बिल्कुल भिन्न हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि ई पी डी एम के ग्रेडों और उसके रूपों में अंतर को प्रौद्योगिकी और उनके अन्त्य प्रयोग के संदर्भ में बतलाया गया है। यह तर्क दिया गया है कि मैं 0 ई सी आई एस द्वारा निर्यात किए गए चार ग्रेडों में से केवल दो ग्रेड अर्थात् विस्टालोन 2504 और 5730 ही मैं 0 एच यू एल के ई एन बी आधारित ग्रेडों के समान हैं। इसके अलावा निर्यातक और याचिकाकर्ता के ग्रेडों की प्रक्रिया के डिजाइन में अंतर है और डाइन तथा टरपोलीमर की मात्रा के आधार पर ई पी एम/ई पी डी एम की कीमतों में भी अंतर है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित ई पी डी एम के विभिन्न ग्रेडों और संबद्ध देशों से आयमित वस्तुओं के संदर्भ में समान वस्तु के मामले की जांच करते समय इन तर्कों पर विचार किया है। प्राधिकारी का मानना है कि कोरिया गणराज्य का ई पी डी एम और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुएं गुणों में एक-दूसरे से काफी मिलती-जुलती हैं और तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से स्थानापन्न है। प्राधिकारी अपने प्रारंभिक जाँच परिणामों के इस परिणाम को दोहराते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ई पी डी एम नियम 2 (घ) के अर्थ में कोरिया गणराज्य द्वारा निर्यात किए गए ई पी डी एम के समान वस्तु हैं।

जहाँ तक ई पी एम का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये अलग किस्म के पोलीमर हैं और ये ई पी डी एम के साथ विनिमेय नहीं हैं। ये दोनों अलग-अलग सीमाशुल्क शीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। प्राधिकारी का मानना है कि ई पी एम और ई पी डी एम अलग-अलग श्रेणी के पोलीमर हैं। चूँकि निर्यातकों, आयातकों के उत्तर और याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना में से किसी के आधार पर भी ई पी एम के किसी निर्यात की पुष्टि नहीं हो पाई है इसलिए संबद्ध देश से निर्यात किए गए और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ई पी एम के समान वस्तु होने के मुद्दे की जाँच नहीं की जा सकती क्योंकि याचिकाकर्ता भी यह प्रमाणित करने में सक्षम नहीं है कि जाँच अद्यि के दौरान ई पी एम का कोई आयात हुआ है, इसलिए प्राधिकारी ने आयातों को न्यूनतम सीमा से कम माना है।

यह भी तर्क दिया गया है कि ई पी डी एम और ब्युटाइल रबड़ का उपयोग एक-दूसरे के बदले किया जा सकता है और यह कि 10 % से 15 % तक ई पी डी एम का उपयोग टायरों के लिए ब्युटाइल रबड़ आधारित ट्यूब्स के विनिर्माण में किया जा सकता है।

प्राधिकारी ने उपरोक्त तर्क पर विचार किया है और माना है कि ब्युटाइल रबड़ और ई पी डी एम दोनों अलग-अलग सीमाशुल्क शीर्षों के अधीन वर्गीकृत हैं और इनका उपयोग पूरक के रूप में होता है और ये स्थानापन्न या विनिमेय स्वरूप के नहीं हैं। इसलिए प्राधिकारी ने सीमाशुल्क शीर्ष 4002.70.09 के अंतर्गत यथावर्गीकृत और कोरिया गणराज्य से निर्यात किए गए ई पी डी एम तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ई पी डी एम को नियम 2(घ) के अर्थ में समान वस्तु माना है।

यह तर्क दिया गया है कि मैं० ई सी आई एरा और मैं० के पी सी द्वारा उत्पादित ई पी डी एम के कुछ ग्रेडों के निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण अलग-अलग किया जाए। यह भी तर्क दिया गया है कि पाटन के परिकलन के प्रयोजन से सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर श्रेणीवार विचार किया जाए।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि विभिन्न ग्रेडों की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत में बहुत मामूली अंतर है और विभिन्न ग्रेडों की भारित औसत तुलना वास्तविक और उचित है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग रासायनिक संरचना और विनिर्माण प्रक्रिया में मामूली अंतर करके ई पी डी एम के सभी ग्रेडों का उत्पादन करने में सक्षम है। जहाँ तक मैं० ई सी आई एस का निर्धारण अलग से करने का संबंध है प्राधिकारी ने मैं० ई सी आई एस के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन का अलग निर्धारण करने के प्रयोजन से मैं० के पी सी द्वारा उत्पादित ग्रेडों और सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन के निर्धारण के प्रयोजन से अनन्य रूप से मैं० ई सी आई एस के जरिए निर्यात किए गए ग्रेडों का उल्लेख किया है। निर्यातक-वार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत नीचे दी गई है:-

### मैं० कुम्हो पोलीकेम कं० लिमि० (के पी सी), कोरिया गणराज्य

#### सामान्य मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि विनिर्माता और निर्यातक मैं० के पी सी ने उसके द्वारा निर्यात किए गए विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न ग्रेडों के लिए सामान्य मूल्य का दावा अलग से किया है। निर्यातक ने छूट, पैकिंग, अंतर्देशीय भाड़ा, यात्रा, विज्ञापन, मनोरंजन, नमूना, दान, वाहन रख-रखाव और ब्याज के कारण ग्रेड-वार समायोजन का दावा किया है। पाटनरोधी महानिदेशालय के अधिकारियों के एक दल ने मैसर्स के पी सी द्वारा सामान्य मूल्य और समायोजनों के बारे में किए गए दावों की जांच की थी। निर्यातक, मात्रा, विज्ञापन, मनोरंजन, नमूना, दान, वाहन रख-रखाव, ब्याज और छूटों के बारे में समयोजनों की सिद्ध नहीं कर पाया और इसलिए इनकी अनुमति प्रदान नहीं की गई। इसके अलावा, यात्रा, विज्ञापन, मनोरंजन, नमूना, दान, वाहन रख-रखाव के रूप में जिनका दावा घरेलू बिक्रियों के लिए किया गया है वे अनन्य रूप से घरेलू बिक्रियों के मामले में प्रासंगिक नहीं हैं लेकिन निर्यात बिक्रियों के समकक्ष होते। अतः प्राधिकारी केवल पैकेजिंग, अंतर्देशीय भाड़ा के लिए समायोजन की अनुमति देते हैं जो निर्यातक द्वारा सिद्ध किया गया है और जिसका सत्यापन जांच दल द्वारा भी किया गया है। प्राधिकारी ने निर्यातक/उत्पादक द्वारा सीधे अथवा मैसर्स ई सी आई एस के जरिए निर्यातित ग्रेडों के लिए भारित औसत, सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।

निर्यातक द्वारा यह तर्क दिया गया है कि उन विभिन्न समायोजनों पर विचार किया जाए जिनकी अनुमति सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ नहीं दी गई है। प्राधिकारी का यह मानना है कि जनवरी, 2000 में जांच दल द्वारा की गई जांच के पश्चात जिस समायोजन के लिए अनुमति नहीं दी गई है उसके प्रमाणन के लिए कोई सामग्री नहीं है। इसके अलावा, चूँकि जांच उत्पादक के परिसर में की गई थी और उत्पादक/निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए वास्तविक अभिलेखों का संदर्भ लिया गया था, इसलिए प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों में यथा परिकलित सामान्य मूल्य और क्रिया विधि की पुष्टि करते हैं। इन ग्रेडों के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

### निर्यात कीमत

निर्यातक ने उसके द्वारा सीधे निर्यातित ग्रेडों के लिए भारत में ग्राहकों को की गई औसत बिक्री कीमत के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया है। निर्यातक ने मैसर्स ईसीआईएस के जरिए निर्यातित ग्रेडों के लिए निर्यात कीमत ~~भी~~ इंगित की है। निर्यातक ने छूटों, पैकिंग, अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, बीमा, व्याज, शुल्क वापसी विनिमय दर लाभ के लिए ग्रेड-वार समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने विनिमय दर लाभ को छोड़कर जो गैर-लागत समायोजन है और जो बिक्री और शुल्क वापसी के समय मालूम नहीं था और जिसे जनवरी, 2000 में जांच दल के दौरे के दौरान साक्ष्य द्वारा सिद्ध नहीं किया गया, सभी समायोजनों की अनुमति दी है। प्राधिकारी ने इन ग्रेडों के विभिन्न आयातकों द्वारा दिए गए उत्तर के साथ-साथ मैसर्स ईसीआईएस के जरिए निर्यातित ग्रेडों के लिए उसके द्वारा प्रस्तुत निर्यात बिक्री के आँकड़ों का भी संदर्भ लिया है। उत्पादक/निर्यातक द्वारा सीधे अथवा ईसीआईएस के जरिए निर्यातित सभी ग्रेडों के लिए भारित औसत निर्यात कीमत \*\*\* डालर/मी.टन बनती है।

### मैसर्स एक्शन कैमिकल इन्टरनेशनल सर्विसेस लि. (ईसीआईएस)

#### सामान्य मूल्य

प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि मैसर्स ईसीआईएस ने मैसर्स के पीसी द्वारा विनिर्मित कतिपय ग्रेडों का भारत को निर्यात किया है। मैसर्स ईसीआईएस ने भारत से भिन्न देशों को इन ग्रेडों की निर्यात कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि मैसर्स ईसीआईएस द्वारा निर्यातित ग्रेडों का वास्तव में मैसर्स के पीसी द्वारा विनिर्माण किया गया है और इनका ईसीआईएस के जरिए निर्यात किया गया है। अतः प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए इन ग्रेडों के लिए कोरिया गणराज्य की घरेलू बिक्री कीमतों का संदर्भ लिया है। प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान एक ग्रेड अर्थात् विस्टालोन 2200 की भारित औसत बिक्री कीमत उत्पादन लागत की भारित औसत बिक्री कीमत से कम थी। प्राधिकारी ने व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में विस्टालोन 2200 के की घरेलू भारित औसत बिक्री कीमत का संदर्भ विस्टालोन 2200 की घरेलू बिक्री कीमत के रूप में लिया है। मैसर्स के पीसी द्वारा छूट, पैकिंग, अंतर्देशीय भाड़ा, यात्रा, विज्ञापन, मनोरंजन, नमूना, दान, वाहन

रख-रखाव और ब्याज के कारण किए गए समायोजन दावों का सत्यापन जनवरी, 2000 में अपनी जाँच यात्रा के दौरान अधिकारियों के दल द्वारा किया गया था। निर्यातक यात्रा, विज्ञापन, मनोरंजन, नमूना, दान, वाहन रख-रखाव, ब्याज और छूटों के समायोजनों को सिद्ध नहीं कर पाया। इसलिए इनकी अनुमति नहीं दी जाती है। घरेलू बिक्रियों के लिए किए गए विज्ञापन, मनोरंजन, नमूना, दान, वाहन रख-रखाव दावे अनन्य रूप से घरेलू बिक्रियों के लिए ही प्रासंगिक नहीं हैं, लेकिन निर्यात बिक्रियों के समान भी होते। प्राधिकारी ने केवल पैकिंग और अंतर्देशीय भाड़े के लिए समायोजनों की अनुमति दी है जिनकी पुष्टि निर्यातक ने और सत्यापन जांच दल ने की है। प्राधिकारी ने मैसर्स ईसीआईएस के जरिए निर्यातित ग्रेडों के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन \*\*\* डालर/मी.टन के रूप में किया है।

### निर्यात कीमत

प्राधिकारी ने इन ग्रेडों के विभिन्न आयातकों द्वारा दिए गए उत्तर के साथ-साथ मैसर्स ईसीआईएस के जरिए निर्यातित ग्रेडों के लिए उसके द्वारा प्रस्तुत निर्यात बिक्री कीमत के आंकड़ों का संदर्भ लिया है। जांच दल ने जनवरी, 2000 में कोरिया गणराज्य की अपनी यात्रा के दौरान निर्यात कीमत के बारे में विभिन्न समायोजनों का सत्यापन किया था और मैसर्स केपीसी द्वारा किए गए सभी समायोजनों अर्थात् छूटों, पैकिंग, अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और ब्याज के समायोजन की अनुमति प्रदान की है। विनिमय दर लाभ समायोजनों, जो कि एक गैर-लगत समायोजन है और जिसकी बिक्री के समय जानकारी नहीं होती है तथा शुल्क वापसी समायोजन, जिन्हें जांच दल के जनवरी, 2000 में किए गए दौरे के समय प्रमाणित नहीं किया गया, की अनुमति प्रदान नहीं की गयी है। मै. ईसीआईएस द्वारा निर्यातित श्रेणियों के लिए भारित औसत निर्यात कीमत \*\*\* डालर प्रति मी. टन है।

### असहयोगी निर्यातकों का मूल्यांकन

असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निर्यात कीमत तथा पहुँच मूल्य का उल्लेख, सहयोगी निर्यातकों द्वारा निर्यात किए गए ग्रेडों में से एक ऐसे ग्रेड के आधार पर किया गया है, जिससे पाठन का उच्चतम मार्जिन प्रदर्शित होता है। इस ग्रेड के लिए सहयोगी निर्यातक द्वारा दावाकृत सामान्य मूल्य पर किसी समायोजन के लिए असहयोगी निर्यातकों को अनुमति प्रदान नहीं की गई है।

घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि उनके द्वारा सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर उपलब्ध करवाई गए समायोजनों का असहयोगी निर्यातकों के लिए इस्तेमाल किया जाए। प्राधिकारी यह उचित मानते हैं कि ऐसे असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए उपरोक्त दशाई गई सर्वोत्तम सूचना एवं प्रणाली का इस्तेमाल किया जाए।

झ. पाटन- सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना

मै. के.पी.सी.

सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना तथा अपने पास उपलब्ध अन्य सूचना पर विचार किया है।

प्राधिकारी ने पाटन के निर्धारण के उद्देश्य से निर्यातक द्वारा सीधे निर्यातित किस्मों के लिए सौदा दर सौदा विश्लेषण किया है।

मै.ई.सी.आई.एस.

यह तर्क दिया गया है कि मै. के.पी.सी. द्वारा निर्मित कुछ किस्मों के निर्यातक मै. ईसीआईएस के लिए पाटन मार्जिन का आकलन अलग से किया जाए। यह तर्क दिया गया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए तीसरे देशों की निर्यात कीमत पर विचार किया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. ईसीआईएस द्वारा निर्यातित किस्में वास्तव में कोरिया गणराज्य मूल की है और यह कि उनका केवल मै. ईसीआईएस के माध्यम से भारत को निर्यात किया गया है। इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के उद्देश्य से मै. के पीसी द्वारा कोरिया गणराज्य में इन किस्मों की घरेलू बिक्री कीमत का इस्तेमाल किया है।

मै. ई.सी.आई.एस. के माध्यम से निर्यातित किस्मों के लिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान एक किस्म अर्थात् विस्टालोन 2200 की भारित औसत बिक्री कीमत भारित औसत उत्पादन लागत से कम है। प्राधिकारी ने व्यापार के सामान्य रूप में विस्टालोन 2200-के की घरेलू भारित औसत बिक्री कीमत को विस्टालोन 2200 की घरेलू बिक्री कीमत के रूप में उपयोग किया है। तत्पश्चात् प्राधिकारी ने मै. ईसीआईसी के माध्यम से निर्यातित वस्तुओं के लिए सौदा दर सौदा आधार पर भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना निर्यात कीमत के साथ की है।

### ई.पी.एम. के लिए गणना

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ईपीएम के आयात के अलग से और डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त नहीं हुए हैं। याचिकाकर्ता ने भी यह उल्लेख किया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान सीमाशुल्क शीर्ष 4002.99 के अंतर्गत ईपीएम आयातों से संबंधित कोई और नहीं देखे हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह पाते हैं कि याचिकाकर्ता की यह आशंका है कि ईपीडीएम का आयात अध्याय 39 के अंतर्गत कम सीमाशुल्क का लाभ उठाने के लिए ईपीएम के रूप में किया जा रहा है। प्राधिकारी ने भी मै. केपीसी, कोरिया गणराज्य के उत्तर से यह नोट किया है कि जांच अवधि के दौरान ईपीएम का कोई निर्यात नहीं किया गया है। मै. ईसीआईएस, हांगकांग द्वारा भी जांच अवधि के दौरान ईपीएम का कोई निर्यात नहीं किया गया है। इस आंकड़े का विभिन्न आयातकों से प्राप्त उत्तरों के साथ आगे सह-संबंध स्थापित किया गया है। प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त पैरा-2 में पहले ही यह उल्लेख किया गया है कि ईपीएम तथा ईपीडीएम के अन्तिम उपयोग भिन्न-भिन्न हैं तथा ये दोनों उत्पाद अलग-अलग सीमाशुल्क शीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत अलग-अलग वर्ग के पोलिमर्स हैं। इस बात को देखते हुए कि निर्यातकों, आयातकों के उत्तर तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना से ईपीएम का कोई आयात होने का प्रमाण नहीं मिलता है, प्राधिकारी कोरिया गणराज्य से ईपीएम के आयातों को न्यूनतम सीमा से कम मानते हैं।

उपर्युक्त प्रणाली के आधार पर ईपीडीएम के लिए पाटन मार्जिन नीचे दर्शाया गया है:-

निर्यातिक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन( % )
मै. कुम्हो पोलिकैम कं. लि. (केपीसी) कोरिया गणराज्य	*****	*****	9.54
अन्य निर्यातिक	*****	*****	18.35
मै. एक्सोन कैमिकल, इंटरनेशनल सर्विसेज लि. (ईसीआईएस) हांगकांग	*****	*****	9.1

### झ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

अनेक हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि ईपीडीएम के उपभोक्ताओं के हितों पर भी निगरानी रखने की आवश्यकता है क्योंकि इससे निर्यातकों की कीमत प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है और यह कि पाटनरोधी शुल्कों का उपयोग संरक्षण के रूप में नहीं बल्कि केवल क्षति को समाप्त करने के लिए किया जा सकता है।

प्राधिकारी का मानना है कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को फिर से बहाल करना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उत्पादों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा, भारतीय उद्योग के हास हो रोका जा सकेगा और इस प्रकार ईपीडीएम के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेगा। पाटनरोधी उत्पादों से सम्बद्ध देशों से आयींत किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन की ईष्टतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए ईपीडीएम की ईष्टति रहित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है।

#### अ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में ‘.....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा।’ कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रुकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए हम उक्त नियमावली के अनुबंध-II(iv) के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार कर सकते हैं जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि।

प्राधिकारी ने पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों अर्थात् मांग में कमी, मंदी, संयन्त्र का गैर किफायती आकार, कच्चे माल और उपयोगिता के ऊंचे और अकुशल खपत मानदण्ड, अधिक ब्याज भार, कम निर्यात अथवा कोई अन्य कारक जोकि बताए गए हैं और जो घरेलू उद्योग को साथ-साथ ही क्षति पहुंचा सकते हैं, की भी जांच की। यह भी तर्क दिया गया है कि क्षति ईपीडीएम के साथ बुटाइल रबड़ के प्रतिस्थापन की वजह से मांग में परिवर्तन के कारण हुई है। जैसा कि प्राधिकारी द्वारा समान वस्तु के पैरा में भी बताया गया है, प्राधिकारी मानते हैं कि बुटाइल रबड़ और ईपीडीएम प्रतिपूरक स्वरूप के हैं और ईपीडीएम की मांग कुल उत्पादन और देश में ईपीडीएम के आयातों के अनुधार पर निर्धारित होती है, जो एक ही निर्धारित सीमाशुल्क शीर्ष के तहत आते हैं।

घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत (एन आई पी) का निर्धारण कच्चे माल का उपयोग, क्षमता उपयोग, कैप्टिव खपत, क्षमताओं का कैप्टिव सृजन इत्यादि और निवेशों तथा क्षमता उपयोग सहित जांच अवधि के दौरान वास्तविक खर्चों जैसे सभी संगत कारकों के उचित विश्लेषण के द्वारा किया गया है। घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण उत्पादन की ईष्टतम लागत और घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूँजी पर उचित आय को ध्यान में रखते हुए किया गया है। क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने कच्चे माल तथा उपयोगिता के उचित खपत मानदण्डों को ध्यान में रखा है और इससे अक्षमताएँ दूर हो गई हैं जिनके अक्षमताओं के कारण उद्योग को वित्तीय क्षति हो सकती थी।

- (क) ई पी डी एम रबड़ के आयात में निरपेक्ष रूप में तथा कुल आयातों की तुलना में वृद्धि जो वर्ष 1996-97 में 110 मी.टन के थे जबकि वर्ष 1998-99 में बढ़कर 204.9 मी.टन हो गए तथा जांच अवधि में 287 मी.टन का पाठन हुआ।
- (ख) कुल आयातों में कोरिया गणराज्य का बाजार हिस्सा वर्ष 1996-97 के 4.5 % से बढ़कर जांच अवधि में 12.5 % हो गया।
- (ग) याचिकाकर्ता के पास ई पी एम का स्टॉक 31.3.98 के 548.30 लाख रुपए से बढ़कर 30.6.99 को 741.09 लाख रुपए का हो गया।
- (घ) कोरिया गणराज्य से हुए आयातों ने घरेलू उद्योग को उस कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य किया है जिससे क्षतिरहित कीमत से कम कीमत की बिक्री वसूली हुई, जिससे वित्तीय घाटा हुआ।

इस प्रकार यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है। यह तय करते हुए कि संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी मानते हैं कि कोरिया गणराज्य से हुए पाटित आयातों ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की

कीमतों को घटाया है और घरेलू उद्योग को इसे अलाभकारी कीमतों पर बेचने के लिए बाध्य किया है, जिसके कारण घरेलू उद्योग की निबल बिक्री वसूली में गिरावट आई तथा वित्तीय घाटा हुआ है।

**(ट) अंतिम निष्कर्ष**

प्राधिकारी उपरोक्त पर विचार करने के बाद निष्कर्ष निकालते हैं कि:-

- (क) संबद्ध देश के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित ई पी डी एम का भारत को इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) घरेलू उद्योग को क्षति कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन से हुई है;
- (घ) प्राधिकारी, कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित, अध्याय 40 (सीमाशुल्क उपशीर्ष 4002.70.09) के अंतर्गत आने वाले ई पी डी एम के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं;
- (ड.) इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 तथा 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी प्रकार के सीमाशुल्क शामिल होंगे;
- (च) पाटन मार्जिन के बराबर अथवा ऐसे कम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश पर विचार किया गया, जिसे यदि लागू किया जाता है, तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। इस प्रयोजनार्थ अलग-अलग निर्यातकों के लिए आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ की गई थी। जहाँ कहीं यह अंतर पाटन मार्जिन से कम पाया गया वहाँ पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की गई है;
- (छ) तदनुसार प्रस्ताव है कि सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 40 (सीमाशुल्क शीर्ष 4002.70.09) के अंतर्गत संबद्ध देश अर्थात् कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित ई पी डी एम के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। पाटनरोधी शुल्क नीचे कालम तीन में दी गई धनराशि और डालर/मी.टन में आयातों के पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगा;

क्र.सं.	निर्यातक/उत्पादक का नाम	शुल्क की राशि(अमरीकी डालर/मी.टन)
1.	मै0 कुम्हो पोलिकैम कं.लि.(के पी सी) कोरिया गणराज्य	2445
2.	कोरिया गणराज्य के कोई अन्य निर्यातक	2461
3.	मै0 एक्सोन कैमिकल इन्टरनेशनल सर्विसेज लि. (ई सी आई एस) हांगकांग	2433

(ज) उपरोक्तानुसार, प्राधिकारी दिनांक 23.3.2000 के प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अपर सचिव

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES**  
**NOTIFICATION**  
New Delhi, the 21st August, 2000  
**FINAL FINDINGS**

**Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Ethylene Propylene Rubber (EPM) and Ethylene Propylene Diene Rubber (EPDM) from Korea RP**

No. 28/1/99-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of anti-dumping duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

**A) PROCEDURE**

The procedure described below has been followed:

- i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated 23.3.2000 on anti-dumping investigation concerning imports of Ethylene Propylene Rubber (EPM) and Ethylene Propylene Diene Rubber (EPDM) (hereinafter also referred to as subject goods) from Korea RP (herein after referred to as subject country) and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
- ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;

- iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of Korea in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated in ( i ) and (ii ) above.
- iv) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 16.5.2000. All parties presenting views were requested to file written submissions of the views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request;
- vi) Argument raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties subsequent to the preliminary findings and disclosure have been appropriately dealt with in these findings.
- vii) Verification of exporters' data was carried out by the Authority to the extent it was feasible. A team of officers carried out verification of the data at the exporters' premises viz. M/s Kumho Polychem Co, Ltd. (KPC), Korea RP.
- viii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 18.7.2000 and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- ix) The period of investigation (POI) considered is 1.4.98 to 30.6.99.

**B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY**

The views expressed by various interested parties have been discussed in the disclosure statement. The views which have not been

discussed earlier in the disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paras herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paras herein below.

#### C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

It has been argued that the product under consideration has not been identified under the Rules governing these investigations.

It has also been argued that the petitioner has filed complaint only in the bale form while M/s KPC produced EPDM/EPM of all forms.

The Authority recalls the findings made in the Preliminary Findings under Para C(1) and notes that in the initiation notification dated 27.8.99 initiated investigations for EPDM and EPM classified under Custom Head 4002.70 and 4002.99 respectively covering all forms under these Heads. The authority reiterates that the investigation covers all forms of EPDM/EPM classified under the heads 4002.70 and 4002.99.

The Authority holds that the product under consideration in the present investigations is EPM and EPDM rubber of all forms/grades/purities. EPDM rubber is classified under custom sub-heading 4002.70 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975. EPDM is further classified under sub-heading no. 4002.70.09 under the Harmonized International Trade classification system and is different from polybutadiene classified under ITC sub-heading no. 4002.70.01. EPM is classified under 4002.99.

The Authority reiterates the detailed description for the product under consideration given in Preliminary Findings in para C(1).

#### D. STANDING OF THE PETITIONER AND DOMESTIC INDUSTRY

The petition has been filed by M/s Herdillia Unimers Ltd. (HUL) on behalf of domestic industry. There is no dispute on standing as there is no other producer of EPDM rubber in India. The petitioner, therefore, satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry in accordance with Rule 2(b) supra.

### E. LIKE ARTICLE

In order to examine whether EPDM rubber produced by the domestic industry is a Like Article to the EPDM exported from Korea RP characteristics such as physical characteristics (size, chemical composition, raw material) manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods have been considered.

It has been argued by other interested parties that EPM and EPDM grades are neither Like Articles, nor interchangeable nor substitutable. Also that physical forms of the grades are different and distinct. The authority further notes that the difference in grades and their forms of EPDM has been pointed with respect to technology and end use. It has been argued that out of the four grades exported by M/s ECIS only two grades viz. Vistalon 2504 and 5730 are similar to the M/s HUL's ENB based grades. Further the process design of exporter's and petitioner's grades vary and also the prices of EPM/EPDM grades vary depending on the diene and terpolymer content. The Authority has considered these attributes while examining the issue of Like Article with reference to various grades of EPDM produced by the petitioner and those imported from the subject country. The authority holds that the EPDM from Korea RP and goods produced by the petitioner have characteristics closely resembling each other and are technically and commercially substitutable. The Authority reiterates its findings of the Preliminary Findings that the EPDM produced by the domestic industry are a like article to EPDM exported from Korea RP within the meaning of the Rule 2(d).

As regards, EPM, the Authority notes that these are different class of polymers and are not interchangeable with EPDM. The two are also classified under different custom head. The Authority holds that EPM and EPDM are distinct class of polymers. Since no exports of EPM are evidenced either on the basis of response of exporters, importers and information furnished by the petitioners, the issue of like article of EPM exported from the subject country and that produced by the domestic industry cannot be examined since the petitioner also has not been able to substantiate any imports of EPM in the POI, the authority holds the imports as deminimus.

It has also been argued that EPDM and butyl rubber are interchangeable and that 10% to 15% of EPDM can be used for the manufactured of butyl rubber based tubes for tyres.

The authority has considered the above argument and holds that both butyl rubber and EPDM are classified under different custom heads and have usage of complementing type and not of substituting or interchangeable nature. The Authority, therefore, considers EPDM exported by Korea RP and as classified under custom head 4002.70.09 and EPDM produced by domestic industry as Like Article within the meaning of the Rule 2(d).

#### F. NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE

It has been argued that the normal value and export price may be determined separately for M/s ECIS, the exporter for some of the grades of EPDM manufactured by M/s KPC. It has also been argued that the normal value and export price for the purposes of calculation of dumping may be considered grade-wise.

The Authority notes that the cost of production and the selling price of various grades fall within a narrow band and the weighted average comparison of various grades is realistic and appropriate. Further the domestic industry is capable of producing all grades of EPDM with minimal changes in the chemical composition and manufacturing process. As regards, assessment of M/s ECIS separately is concerned, the authority for the purposes of separate determination of the normal value, export price and dumping for M/s ECIS has referenced the grades manufactured by M/s KPC and exported exclusively through M/s ECIS for purposes of determining normal value, export price and dumping. The exporter-wise normal value and export price determined is illustrated below:-

#### M/s Kumho Polychem Co. Ltd. (KPC), Korea RP

##### Normal value

The Authority notes that M/s KPC, the manufacturer and exporter has claimed Normal value separately for different grades of product under consideration exported by them. The exporter has claimed grade-wise adjustments on account of discounts, packing, inland freight, travel, advertising, entertainment, sample, donation, vehicle maintenance and interest. A team of officers from the anti-dumping Directorate verified the claims on normal value and adjustments claimed by the M/s KPC. The exporter could not substantiate the adjustments on travel, advertising, entertainment, sample, donation, vehicle maintenance, interest and discounts

and the same are, therefore, disallowed. Further the adjustment as travel, advertising, entertainment, sample donation, vehicle maintenance claimed for domestic sales which are not exclusively incidental to domestic sales but would have equivalent for export sales. The authority, therefore, allows adjustments on account of packing, inland freight only which have been substantiated by the export and verified by the investigating team. The Authority has calculated the weighted average, normal value for the grades exported directly or through M/s ECIS by the producer/exporter.

It has been argued by the exporter that for the various adjustments which have not been allowed for the purpose of normal value may be considered. The authority holds that subsequent to the verification carried out by the investigating team in January, 2000, there is no material to substantiate any of the adjustments which have been disallowed. Further since verification was carried out at the premises of the producer and the records actually made available by the producer exporter were referenced, the Authority confirms the methodology and the normal value as calculated in the Preliminary Findings. The weighted average normal value for these grades comes to \*\*\*\$/MT.

#### Export Price

The exporter has claimed export price on the basis of average selling price to customers in India for the grades directly exported by them. The exporter has also indicated the export price for the grades exported through M/s ECIS. The exporter has claimed grade-wise adjustments on account of discounts, packing, inland freight, ocean freight, ocean insurance, interest, duties refund and Exchange Rate gains. The Authority has allowed all adjustments except Exchange Rate gains which is a non-cost adjustment and is not known at the time of sale and duty refund which were not substantiated with evidence during the visit of the verification team in January, 2000. The authority has referenced the export selling price as furnished by M/s ECIS for the grades exported through them as co-related with the response given by various importers for these grades. The weighted average export price for all the grades exported directly or through M/s ECIS by the producer/exporter comes to \*\*\*\$/MT.

#### M/s Exxon Chemical International Services Ltd. (ECIS)

##### Normal value

The authority notes that M/s ECIS has exported certain grades manufactured by M/s KPC to India. M/s ECIS has claimed normal value on the basis of the export price of these grades to countries other than India. The authority notes that the grades exported by M/s ECIS have actually been manufactured by M/s KPC and have been exported through M/s ECIS. The authority has, therefore, referenced the domestic selling prices in Korea RP for these grades for determination of the normal value. The Authority notes that one of the grades viz. vistalon 2200 has weighted average selling price lower than the weighted average cost of production during the period of investigation. The Authority has referenced the domestic weighted average selling price of vistalon 2200K as the domestic selling price of vistalon 2200 in the ordinary course of trade. The adjustments claimed by M/s KPC on account of discounts, packing, inland freight, travel, advertisement, entertainment, sample, donation, vehicle maintenance and interest were verified by the team of officers during their verification visit in January, 2000. The exporter could not substantiate the adjustments of travel, advertising, entertainment, sample, donation, vehicle maintenance, interest and discounts and the same are therefore, disallowed. The adjustments on travel, advertising, entertainment, sample, donation, vehicle maintenance claimed for domestic sales are not exclusively incidental to domestic sales but would have equivalents for export sales also. The authority allowed adjustments on account of packing, and inland freight only which have been substantiated by the exporter and verified by the investigation team. The authority has calculated the weighted average normal value for the grades exported through M/s ECIS as \*\*\*\$/MT.

#### Export price

The authority has referenced the export selling price as furnished by M/s ECIS for the grades exported through them as also co-related with the response given by various importers for these grades. The verification team in January, 2000 had verified the various adjustments on the export price during their visit to Korea RP and have allowed all adjustment claimed by M/s KPC viz. discounts, packing, inland freight, ocean freight, ocean insurance and interest. The exchange rate gains adjustments which is a non-cost adjustment and is not known at the time of sale and duties refund adjustment which were not substituted with evidence during the visit of the verification team in January, 2000 have been disallowed. The weighted average export price for the grades exported by M/s ECIS comes to \*\*\*\$/MT.

#### G. Evaluation of non-cooperating exporters

For the non-cooperating exporters, the Normal Value, the export price and the landed value have been referenced on the basis of one of the grades exported by the cooperating exporters, evidencing highest margin of dumping. No adjustments on normal value as claimed by the cooperating exporter for this grade have been allowed to the non-cooperating exporters.

It has been argued by the domestic industry that the adjustments on normal value and export price as provided by them may be referenced for the non-cooperating exporters. The authority considers it appropriate to reference the best available information and methodology as illustrated above for determining the normal value and export price for such non-cooperating exporters.

#### H. DUMPING-Comparison of normal value and export price

##### M/s KPC

For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority has considered taking into account the information furnished by the exporters, and other information available with the Authority.

The Authority has carried out transaction to transaction analysis for the grades exported directly by the exporter, for the purpose of determination of dumping.

##### M/s ECIS

It has been argued that the dumping margin may be assessed separately for M/s ECIS, the exporter for certain grades manufactured by M/s KPC. It has been argued that for determining the normal value and export price to the third countries may be considered. The authority notices that the grades exported by M/s ECIS have actually originated in Korea RP and that they have only been exported to India through M/s ECIS. The authority has, therefore, referenced the domestic selling price of these grades by M/s KPC in Korea RP for the purposes of Normal value.

For the grades exported through M/s ECIS, the Authority notes that one of the grades viz. vistalon 2200 has weighted average selling price lower

than the weighted average cost of production during the period of investigation. The Authority has referenced the domestic weighted average selling price of vistalon 2200K as the domestic selling price of vistalon 2200 in the ordinary course of trade. The Authority has thereafter carried out weighted average normal value comparison with export prices on a transaction to transaction basis for the goods exported through M/s ECIS.

### Calculation for EPM

The Authority notices that the separate details on imports of EPM are not available from DGCI&S. Also the petitioners have indicated that they have not observed any details pertaining to EPM imports under Custom Head 4002.99 during the POI. Further the Authority notices that it is the apprehension of the petitioners that EPDM is being imported as EPM to avail lower custom duty under chapter 39. The Authority also notices from the response of M/s KPC, Korea RP that no exports of EPM have been made during the POI. No exports of EPM are also made by M/s ECIS, Hong Kong during the POI. The data has further been co-related with the response received from various importers. The Authority has already indicated in the foregoing para 2 that the end-uses for EPM and EPDM are different and the two products are different class of polymers classified under different custom heads. In view of no imports evidenced from response of exporters, importers and information furnished by the petitioner, the Authority holds the imports of EPM from Korea RP as deminimus.

Based on the above methodology, the dumping margins for EPDM are indicated below: -

Exporter	Normal Value	Export price	Dumping margin(%)
M/s Kumho Polychem Co. Ltd. (KPC), Korea RP	*****	*****	9.54
Any other exporter	*****	*****	18.35
M/s Exxon Chemical International Services Ltd. (ECIS), Hong Kong	*****	*****	9.1

## I. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

It has been argued by many interested parties that interests of the consumers of EPDM also needs to be watched as it affects the price competitiveness of exporters and that the anti-dumping duties cannot be used as protection but only to remove injury.

The Authority holds that the purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping, which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

It is recognized that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of EPDM. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

To ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority has relied upon a non-injurious selling price of EPDM in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production for the domestic industry.

## J. INJURY AND CAUSAL LINK

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant

price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, we may consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

The authority has also examined factors other than dumped imports viz. demand contraction, recession, un-economical plant size, high and inefficient consumption norms of raw materials and utilities, high interest burden, distress exports etc. as cited which might be injuring the domestic industry at the same time. It has been argued that the injury has been on account of demand changes because of substitutability of butyl rubber with EPDM. As also indicated by the authority under para of Like Article, the authority holds that the butyl rubber and EPDM are complementing in nature and that the demand of EPDM has been constructed on the basis of the total production and the imports of EPDM in the country which are under a dedicated custom head.

The non-injurious price (NIP) for the domestic industry has been determined by making appropriate analysis of all relevant factors like usage of raw material, usage of utilities, captive consumption, captive generation of utilities etc. and the actual expenses during the period of investigations including the investments and capacity utilisation. The non-injurious price of domestic industry has been determined by considering the optimum cost of production and considering the reasonable return on the capital employed by the domestic industry. While determining NIP, the authority has taken into account the best consumption norms of raw materials and utilities and has, thereby addressed any inefficiencies which might lead to financial injury the industry on account of the inefficiencies.

- a) Imports of EPDM rubber have increased in absolute terms and relative to total imports from 110 MT in 96-97 to 204.9 MT in 98-99 and to 287 MT dumping POI.
- b) Market share of Korea RP in total imports increased from 4.5% in 96-97 to 12.5% in POI.

- c) The stocks of EPDM with the petitioner increased from Rs. 548.30 lakhs on 31.3.98 to Rs. 741.09 lakhs on 30.6.99.
- d) The imports from Korea RP have forced the domestic industry to sell at price which led to sales realisation below the non-injurious selling price, thus resulting in financial losses.

It is, therefore, seen that the domestic industry has suffered material injury from dumped imports. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the imports from the subject country, the Authority holds that dumped exports from Korea RP have depressed the prices of subject goods in the domestic market and forced the domestic industry to sell at un-remunerative prices, resulting in decline in net sales realization, financial losses to the domestic industry.

#### **K. FINAL FINDINGS**

The Authority, after considering the foregoing, concludes that :

- a. EPDM originating in or exported from the subject country has been exported to India below its normal value.
- b. The domestic industry has suffered material injury.
- c. The injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from Korea RP.
- d. The Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of EPDM falling under Chapter 40 (Custom head 4002.70.09) originating in or exported from Korea RP.
- e. The landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
- f. It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which if levied would remove the injury to domestic industry. Landed value of the imports for individual exporters, for the purposes, were compared with the non-injurious selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended.
- g. Accordingly, it is proposed that definitive anti-dumping duties be imposed on all imports of EPDM originating in or exported from the subject country i.e. Korea RP falling under chapter 40 (Custom head

4002.70.09) of the Customs Tariff. The anti-dumping duty shall be the difference between the amounts mentioned in column 3 below and the landed value of imports in \$/MT.

Sl. No.	Name of the exporter / producer	Amount of duty (US\$/MT)
1.	M/s Kumho Polychem Co. Ltd. (KPC), Korea RP	2445
2.	Any other exporter of Korea RP	2461
3.	M/s Exxon Chemical International Services Ltd. (ECIS), Hong Kong	2433

- h. Subject to the above, the authority confirms the Preliminary Findings dated 23.3.2000.

An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act Supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority and Addl. Secy.

2288 GST/2024 - 4

